2019-20

अभ्यास प्रश्नपत्र 3

कक्षा - XII

विषय - हिंदी (आधार) कोड सं. 302

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :-

- **इस प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं - क, ख, ग |**
- **इस प्रश्न-पत्र में 12 प्रश्न हैं |**
- **यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए |**
- **एकअंक के प्रश्नों के उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए|**
- **दो अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए|**
- **तीन अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए|**
- **चार अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए|**
- **पाँच अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए|**

	खंड - क	
(1)	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** दबाव में काम करना व्यक्ति के लिए अच्छा है या नहीं , इस बात पर प्रायः बहस होती है | कहा जाता है कि व्यक्ति अत्यधिक दबाव में नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी कर लेता है , जिससे उसे अकसर कार्य में असफलता प्राप्त होती है | वह अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी खो बैठता है | दबाव को यदि ताकत बना लिया जाए, तो न सिर्फसफलता प्राप्त होती है , बल्कि व्यक्ति कामयाबी के नए मानदंड रचता है | ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं जब लोगों ने अपने काम के दबाव को अवरोध नहीं,बल्कि ताकत बना लिया | सुख-दुःख,सफलता-असफलता, शांति-क्रोध और क्रिया-कर्म हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है | जोंस सिल्वा इस बात से सहमत होते हुए अपनी पुस्तक 'यूद व्हीलर' में लिखते हैं कि मन-मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को | इस तरह शरीर मन के आदेश का पालन करता हुआ काम करता है | दबाव में व्यक्ति यदि सकारात्मक होकर काम करे , तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होता है | दबाव के समय मौजूद समस्या पर ध्यान केन्द्रित करने और बोझ महसूस करने के बजाय यदि यह सोचा जाए कि हम अत्यंत सौभाग्यशाली हैं , जो एक कठिन चुनौती को पूरा करने के लिए तत्पर है, तो हमारी बेहतरीन क्षमताएँ स्वयं जाग्रत	**12**

	हो उठती हैं | हमारा दिमाग जिस चीज़ पर भी अपना ध्या न केन्द्रित करने लगता है, वह हमें बढ़ती प्रतीत होती है| यदि हम अपनी समस्याओं के बारे में सोचेंगे , तो वे और बड़ी होती महसूस होंगी | अगर अपनी शक्तियों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे , तो वे भी बड़ी महसूस होंगी | इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि "जीतना एक आदत है,पर अफ़सोस ! हारना भी एक आदत है |"	
क	प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए |	1
ख	गद्यांश का केन्द्रीय भाव लिखिए |	1
ग	दबाव में काम करने के नकारात्मक प्रभाव लिखिए |	2
घ	दबाव हमारी सफलता का कारण कब और कैसे बन सकता है ?	2
ड.	दबाव में सकारात्मक सोच क्या हो सकती है ? स्पष्ट कीजिए |	2
च	काम करने की प्रक्रिया में मन,मस्तिष्क और शरीर के सम्बन्ध को अपने शब्दों में समझाइए |	2
छ	आशय स्पष्ट कीजिए - "जीतना एक आदत है,पर अफ़सोस ! हारना भी एक आदत है |"	2
(2)	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए**	**1x4=4**
	यदि फूल नहीं बो सकते हो, काँटे कम से कम मत बोओ ! है अगम चेतना की घाटी, कमज़ोर पड़ा मानव का मन , ममता की शीतल छाया में,होता कटुता का स्वयं शमन ! ज्वालाएँ जब घुल जाती हैं,खुल-खुल जाते हैं मुदे नयन, होकर निर्मलता में प्रशांत, बहता प्राणों का क्षुब्ध पवन ! संकट में यदि मुसका न सको, भय से कातर हो मत रोओ ! यदि फूल नहीं बो सकते हो, काँटे कम से कम मत बोओ !	
क	फूल और काँटे बोने का भाव क्या है ?	1
ख	मानव मन की कड़वाहट कैसे दूर हो सकती है ?	1
ग	'ज्वालाएँ' किसका प्रतीक हैं ?	1
घ	कवि कठिनाई के क्षणों में क्या न करने का परामर्श दे रहा है ?	1
	अथवा कुछ लिखके सो, कुछ पढ़के सो तू जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़ के सो जैसा उठा वैसा गिरा जाकर बिछौने पर, तिफ्ल जैसा प्यार यह जीवन-खिलौने पर, बिना समझे, बिना बूझे खेलते जाना, एक ज़िद को जकड़ लेकर ठेलते जाना, गलत है, बेसूद है, कुछ रचके सो, कुछ गढ़ के सो	

	तू जिस जगह से जागा सवेरे उस जगह से बढ़ के सो दिनभर इबारत पढ़ें, पत्ती और पानी की, बंद घर की, खुले-फैले खेत धानी की, हवा की बरसात की हर खुश्क की, तर की, गुज़रती दिनभर रही जो आपकी, पर की, उस इबारत के सुनहरे वर्क से मन मढ़के सो तू जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़ के सो	
क	सोने से पहले क्या कर लेना चाहिए ?	1
ख	कवि ने किसको बेसूद कहा है ?	1
ग	प्रकृति का लेख लिखने में किस-किसका योगदान है ?	1
घ	आशय स्पष्ट कीजिए - "जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़ के सो |"	1
	खंड - ख	
(3)	नीचे दिए गए विषयों में से किसी एक पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए- (क) घर के आँगन में खिला गुलाब (ख) सिनेमाघर का दृश्य (ग) एक कामकाजी औरत की शाम (घ) पॉलिथीन का कहर,प्रकृति में जहर	**5**
(4)	आपके नगर के चिकित्सालय में चिकित्सकों की कमी से रोगियों को होने वाली असुविधाओं की जानकारी देते हुए प्रान्त के चिकित्सा-विभाग के सचिव को लगभग 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए| **अथवा** किसी प्रमुख समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखकर सीमा पर देश की रक्षा कर ते हुए अपना बलिदान देने वाले भारतीय सेना के जवानों के शौर्य एवं वीरता को रेखांकित कीजिए |	**5**
(5)	**निम्नलिखित प्रश्नों का लगभग 15 से 20 शब्दों में उत्तर लिखिए -**	**1x5=5**
	(क) फ्रीलांस पत्रकार किसे कहते हैं ?	
	(ख) पीत पत्रकारिता किसे कहते हैं ? (ग) इंटरनेट पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए |	
	(घ) स्तम्भ लेखन क्या है ?	
	(ङ) फ़्लैश या ब्रेकिंग न्यूज़ किसे कहते हैं ?	
(6)	कविता की रचना में प्रयुक्त उपकरणों को बिन्दुवार स्पष्ट कीजिए | **अथवा** विद्यालयमें संपन्न स्वच्छता पखवाड़े पर समाचार -पत्र के लिए समाचार	**5**

	लिखिए | **अथवा** 'बढ़ती जनसंख्या-दर,घटती सुविधाएँ' विषय पर एक फ़ीचर लिखिए |	
	खंड - ग	
(7)	**निम्नलिखित में से किसी एक काव्यां श पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-** सबसे तेज़ बौछारें गयीं भादो गया सवेरा हुआ खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा शरद आया पुलों को पार करते हुए अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से चमकीले इशारों से बुलाते हुए पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड को चमकीले इशारों से बुलाते हुए और आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए कि पतंग ऊपर उठ सके |	**2x3=6**
	(क) शरद के सवेरे की तुलना किससे की गई है और क्यों ?	
	(ख) आकाश को मुलायम बनाने से क्या तात्पर्य है ?	
	(ग) काव्यांश में चित्रित प्रकृति-सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए|	
	अथवा खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि, बनिक को बनिज , न चाकर को चाकरी | जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस, कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी |' बेदहूँ पुरान कही , लोकहूँ बिलोकिअत , साँकरे सबैं पै, राम! रावरें कृपा करी | दारिद -दसानन दबाई दुनी,दीनबंधु! दुरित-दहन देखि तुलसी हहा करी||	
क	तुलसीदास ने इस काव्यांश में अपने समय की किन-किन समस्याओं को उठाया है ?	
ख	तुलसी किससे कृपा की उम्मीद कर रहे हैं और क्यों ?	
ग	दरिद्रता की तुलना किससे और क्यों की गई है ?	

(8)	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में दीजिए :-** प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे भोर का नभ राख से लीपा हुआ चौका (अभी गीला पड़ा है) बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर कि जैसे धुल गई हो स्लेट पर या लाल खड़िया चाक मल दी हो किसी ने	**2x2=4**
क	काव्यांश में प्रयुक्त उपमानों का उल्लेख कीजिए ।	**2**
ख	काव्यांश की दो भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।	**2**
	अथवा जोर ज़बरदस्ती से बात की चूड़ी मर गई और वह भाषा में बेकार घूमने लगी । हारकर मैंने उसे कील की तरह उसी जगह ठोंक दिया । ऊपर से ठीक - ठाक पर अंदर से न तो उसमें कसाव था न ताक़त । बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह मुझसे खेल रही थी ।	
क	मानवीकरण व अनुप्रास अलंकारों के सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए ।	**2**
ख	काव्यांश की भाषागत विशेषताएँ लिखिए।	**2**
(9)	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 से 70 शब्दों में लिखिए-**	**3x2=6**
क	'छोटा मेरा खेत' कविता के रूपक को स्पष्ट कीजिए।	**3**
ख	'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है- स्पष्ट कीजिए ।	**3**
ग	'बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती ' और कविता के शीर्षक 'सहर्ष स्वीकारा है' में आप कैसे अंतर्विरोध पाते हैं? स्पष्ट कीजिए ।	**3**

(10)	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** भक्तिन और मेरे बीच सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से न हटा सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया , जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे | भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है , जितना अपने घर में बारी- बारी से आने-जाने वाले अँधेरे- उजाले को और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना|	**2x3=6**
क	महादेवी भक्तिन को अपनी सेविका मानने को तैयार क्यों नहीं होती ?	**2**
ख	महादेवी और भक्तिन के संबंधों की तुलना किनसे की गई है और क्यों ?	**2**
ग	गद्यांश से भक्तिन के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का पता चलता है?	**2**
	अथवा एक होली का त्योहार छोड़ दें तो भारतीय परम्परा में व्यक्ति के अपने पर हँसने, स्वयं को जानते-बूझते हास्यास्पद बना डालने की परम्परा नहीं के बराबर है | गाँवों और लोक-संस्कृति में तब भी वह शायद हो, नागर-सभ्यता में तो वह थी नहीं | चैप्लिन का भारत में महत्त्व यह है कि वह 'अंग्रेज़ों जैसे' व्यक्तियों पर हँसने का अवसर देते हैं | चार्ली स्वयं पर सबसे ज़्यादा तब हँ सता है जब वह स्वयं को गर्वोन्मत्त , आत्मविश्वास से लबरेज़,सफलता,सभ्यता,संस्कृति तथा समृद्धि की प्रतिमूर्ति , दूसरों से ज़्यादा शक्तिशाली तथा श्रेष्ठ अपने 'वज्रादपि कठोराणि' अथवा'मृदुनि कुसुमादपि' क्षण में दिखलाता है |	
क	होली का त्योहार किस रूप में क्या अवसर प्रदान करता है ?	**2**
ख	'अंग्रेज़ों जैसे व्यक्तियों' वाक्यांश में निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए |	**2**
ग	चार्ली सबसे ज़्यादा स्वयं पर कब हँसता है ?	**2**
(11)	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**	**4+4+2=10**
क	पहलवान की ढोलक कहानी के किस-किस मोड़ पर पहलवान लुट्टन सिंह के जीवन में क्या-क्या परिवर्तन आए ? लगभग 80 से 100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए |	**4**

ख	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है ? लेखक ने किस अवधूत को याद करते हुए उनकी प्रासंगिकता को कैसे स्पष्ट किया है? लगभग 80 से 100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए | **अथवा** 'मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से जमीन और जनता बँट नहीं जाती है' - नमक कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए | साथ ही सफ़िया की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए | लगभग 80 से 100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए |	**4**
ग	बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है ? लगभग 30 से 40 शब्दों में स्पष्ट कीजिए |	**2**
प्र.(12)	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर लिखिए -**	**4x3=12**
क	'सिल्वर वैडिंग' कहानी का कथानक आधुनिक पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण एवं बदलते मानवीय मूल्यों पर आधारित है| इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए |	
ख	श्री सौन्दलगेकर के अध्यापन की उन विशेषताओं को रेखांकित कीजिए जिन्होंने कविता के प्रति लेखक के मन में रुचि जगाई |	
ग	सिन्धु-घाटी सभ्यता की साधन-सम्पन्नता और सौन्दर्य-बोध को स्पष्ट कीजिए|	
घ	'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथानायक की किसी केंद्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है?	
ङ	ऐन फ्रैंक कौन थी? ऐन फ्रैंक के नारी सम्बन्धी विचार लिखिए |	

****